डी० एल० एड्० II - S-2

Date: 04/06/2020

Page No :

बाल विकास और सीखने में अन्तर्सम्बन्ध

बाल विकास एक जटिल प्रक्रिया है जिसके कई आयाम होते हैं। जैसे शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, नैतिक, चारित्रिक, एवं आध्यात्मिक होते हैं साथ ही इस विकास की प्रक्रिया में विभिन्न कारकों जैसे परिवेश परिवार संस्कृत पोषण इत्यादि की भूमिका का विशेष महत्व होता है क्या विकास का सीखने से कोई सम्बन्ध है इस पर भी शुरुआत समझ होनी चाहिए बच्चों के वृद्धि एवं विकास को समझने के लिए कुछ खास के अध्ययन के तरीके को समझना चाहिए अन्यथा विकास के विभिन्न पहलूओं को ठिक से समझा नही जा सकता है एक शिक्षक को बाल विकास और सीखने के मध्य अन्तर्सम्बन्ध को समझना चाहिए ताकी सीखने के माध्यम से विकास के माध्यम को सीखने को गति प्रदान किया जा सके

सीखने की प्रक्रिया —

प्रत्येक व्यक्ति नित्यप्रति अपने जीवन में नये अनुभव एकत्र करता रहता है ये नवीन अनुभव व्यक्ति के व्यवहार में

बढ़ते तथा संशोधन करते है इस लिए ये अनुभव तथा इनका उपयोग की सीखना या अधिगम कर्म कहलाता है।

मनोवैज्ञानिको ने सीखने को मानसिक प्रक्रिया माना है। यह प्रक्रिया जीवन भर निरन्तर चलती रहती है सीखने की प्रक्रिया की दो प्रमुख विशेषताएं है।

1- निरन्तरता और सार्वभौमिकता
यह प्रक्रिया सदैव और सर्वत्र चलती रहती है। इस लिए मानव अपने जन्म से मृत्य तक कुछ न कुछ सीखता रहता है।

Scanned with CamScanner